पाठ्यक्रम संरचना कक्षा: X (2021-2022)

विषय: सामाजिक विज्ञान

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या. 087)

सत्र I

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–2	10
II	समकालीन भारत–2	10
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–2	10
IV	आर्थिक विकास की समझ	10
	कुल	40

सत्र II

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–2	10
II	समकालीन भारत–2	10
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–2	10
IV	आर्थिक विकास की समझ	10
	कुल	40

सत्रीय पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषयवस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–1 **यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय** • फ्राँसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार • यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण • क्रांतियों का युगः 1830–1848 • जर्मनी और इटली का निर्माण • राष्ट्र की दृश्य–कल्पना • राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद	• 1830 के उपरांत यूरोप में विकसित हुई राष्ट्रवाद की अवधारणा की समझ से परिचित हो सकेंगे। उससे उत्पन्न हुए नए राष्ट्रों की पहचान कर सकेंगे। • यूरोपीय राष्ट्रवाद और गैर औपनिवेशिक राष्ट्रवाद के मध्य समानता एवं अंतरों की पहचान कर सकेंगे। • राष्ट्रवाद की अवधारणा के उदय की समझ विकसित हो सकेगी। साथ ही यह भी जान सकेंगे कि इस विचारधारा ने नए राष्ट्र– राज्यों के उदय में किस प्रकार योगदान दिया।
समकालीन भारत 2	अध्याय–1 **संसाधन एवं विकास** • संसाधनों के प्रकार • संसाधनों का विकास • भारत में संसाधन नियोजन • भू–संसाधन • भू–उपयोग • भारत में भू–उपयोग प्रारूप • भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय • मृदा एक संसाधन के रूप में • मृदाओं का वर्गीकरण • मृदा अपरदन और संरक्षण	• संसाधनों के महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रयोग और उनके संरक्षण की आवश्यकता को समझ सकेंगे।
समकालीन भारत 2	अध्याय–3 **जल संसाधन** • जल दुर्लभता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता • बहु–उद्देशीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन • वर्षा जल संग्रहण **अध्याय –3 जल संसाधन के सैद्धांतिक पक्ष मूल्याकंन केवल आवधिक परीक्षा में किया जाएगा तथा इसका मूल्याकंन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में नहीं किया जाएगा। परंतु मानचित्र सूची में दिए गए मानचित्र कार्य का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा(बोर्ड परीक्षा) में किया जा सकता है।**	• जल के संसाधन के रूप में महत्व की समझ विकसित हो सकेगी साथ ही जल के विवेकपूर्ण प्रयोग और उसके संरक्षण के लिए जागरुक हो सकेंगे।

समकालीन भारत 2	**अध्याय–4** **कृषि** • कृषि के प्रकार • शस्य प्रारूप • मुख्य फसलें • प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार एवं उसका प्रभाव • वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव	• राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व का वर्णन कर सकेंगे। • कृषि के विभिन्न प्रकारों की पहचान एवं उन पर चर्चा कर सकेंगे। मुख्य फसलों के स्थानिक वितरण व फसल पद्धित और वर्षा की पद्धति के मध्य संबंधों की पहचान कर सकेंगे। • स्वतंत्रता के उपरांत सरकारी नीतियों के माध्यम से हुए संस्थागत व तकनीकी सुधारों का वर्णन कर सकेंगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–1** **सत्ता की साझेदारी** • बेल्जियम एवं श्रीलंका का केस स्टडी (प्रकरण अध्ययन), • सत्ता में साझेदारी क्यों आवश्यक है? • सत्ता में साझेदारी के विभिन्न प्रारूप	• लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी की महत्ता से परिचित हो सकेंगे। • सत्ता में साझेदारी के स्थानिक और सामाजिक तंत्र की कार्यप्रणाली को समझ सकेगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–2** **संघवाद** • संघवाद क्या है? • भारत में संघीय व्यवस्था • संघीय व्यवस्था कैसे चलती है? • भारत में विकेद्रीकरण	• संघीय प्रावधानों और संस्थानों का विश्लेषण कर सकेंगे। • शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विक्रेन्द्रीकरण का वर्णन कर सकेंगे।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–1** **विकास** • विकास क्या वादा करता है – विभिन्न व्यक्ति, विभिन्न लक्ष्य • आय और अन्य लक्ष्य • राष्ट्रीय विकास • विभिन्न देशों या राज्यों की तुलना कैसे की जाए? • आय और अन्य मापदण्ड • सार्वजनिक सुविधाएँ • विकास की धारणीयता	• समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे। • भारत में सर्वागींण मानव विकास की उस अवधारणा को समझ सकेंगे जिसमें आय के अतिरिक्त शिक्षा और स्वास्थय को भी शामिल किया जाता है। • सतत पोषणीय विकास और जीवन की गुणवत्ता के महत्व को समझ सकेंगे।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–2** **भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक** • आर्थिक कार्यों का क्षेत्रक • तीनों क्षेत्रकों की तुलना • भारत में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक • संगठित और असंगठित के रू‍प में क्षेत्रकों का विभाजन • स्वामित्व आधारित क्षेत्रक – सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक	• रोजगार उत्पन्न करने वाले प्रमुख क्षेत्रक की पहचान कर सकेंगे। • अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सरकार के निवेश के कारणों को समझ सकेंगे।

प्रथम सत्रीय

मानचित्र कार्य

कक्षा X (2021–22)

भूगोल. भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय–1: संसाधन और विकास

मृदा के मुख्य प्रकार

अध्याय–3: जल संसाधन बांध

सलाल, भाखड़ा नांगल, टिहरी, राणा प्रताप सागर, सरदार सरोवर, हीराकुंड, नागार्जुन सागर, तुंगभद्रा।

अध्याय –3 जल संसाधन के सैद्वांतिक पक्ष मूल्याकंन केवल आवधिक परीक्षा में किया जाएगा तथा इसका मूल्याकंन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में नहीं किया जाएगा परंतु उपरोक्त मानचित्र कार्य का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में किया जा सकता है।

अध्याय–4: कृषि

1. चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र।
2. मुख्य उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, कॉफी, रबड़, कपास और पटसन।

द्वितीय सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषयवस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	**अध्याय–2** **भारत में राष्ट्रवाद** • प्रथम विश्वयुद्ध, खिलाफत आंदोलन और असहयोग • आंदोलन के भीतर अलग – अलग धाराएँ • सविनय अवज्ञा की ओर • सामूहिक अपनेपन का भाव	• असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन की केस स्टडी के माध्यम से भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख विशेषताओं की पहचान करना। • उस समय के विभिन्न सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कर सकेंगे। • विभिन्न राजनीतिक संगठनों और व्यक्तियों के लेखों और आदर्शों से परिचित हो सकेंगे। • अखिल भारतीयता की अनुभूति को बढ़ावा देने वाले विचारों की प्रशंसा कर सकेंगे।
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	**खण्ड 2: जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज (निम्नलिखित में से किसी एक पाठ का अध्ययन कीजिए)** **नोटः इस खण्ड में दिए गए अध्याय का मूल्यांकन केवल आवधिक परीक्षा में किया जाएगा। इस अध्याय का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में नहीं किया जाएगा।** **अध्याय–3** **भूमंडलीकृत विश्व का बनना** • आधुनिक युग से पहले • उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) • महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था • विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निमाणः युद्धोत्तर काल **अथवा** **अध्याय–4** **औद्योगीकरण का युग** • औद्योगिक क्रान्ति से पहले • हाथ का श्रम और वाष्प शक्ति • उपनिवेशों में औद्योगीकरण • फ़ैक्ट्रियों का आना • औद्योगिक विकास का अनूठापन • वस्तुओं के लिए बाजार	• विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से वैश्वीकरण के दीर्घकालिक इतिहास को प्रदर्शित कर सकेंगे। • वैश्वीकरण के स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पडने वाले प्रभावों का विश्लेषण कर सकेंगे। • वैश्वीकरण के विभिन्न सामाजिक समूहों पर पडने वाले प्रभावों के अनुभवों पर चर्चा कर सकेंगे। **अथवा** • आद्य प्रौद्योगिकी काल एवं आरम्भिक फैक्ट्री प्रणाली से परिचित हो सकेंगे। • औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया एवं उसके मजदूर वर्ग पर पडने वाले प्रभावों से परिचित हो सकेंगे। • वस्त्र उद्योग के संदर्भ में उपनिवेशों में औद्योगिकीकरण की समझ को विकसित किया कर सकेंगे।

समकालीन भारत 2	**अध्याय–5** **खनिज तथा ऊर्जा संसाधन** • खनिज क्या है? • खनिजों की उपलब्धता • लौह व अलौह खनिज • अधात्विक खनिज • चट्टानी खनिज • खनिजों का संरक्षण • ऊर्जा संसाधन के प्रकार • परंपरागत एवं गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन • ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण। **अध्याय –5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन के सैद्वांतिक पक्ष मूल्याकंन केवल आवधिक परीक्षा में किया जाएगा तथा इसका मूल्याकंन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में नहीं किया जाएगा। परंतु मानचित्र सूची में दिए गए मानचित्र कार्य का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा (बोर्ड परीक्षा) में किया जा सकता है।**	• खनिज एवं ऊर्जा के विभिन्न संसाधनों की पहचान एवं उनकी उपलब्धता के स्थानों से परिचित हो सकेंगे। • संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की जरुरत को समझ सकेंगे।
समकालीन भारत 2	**अध्याय–6** **विनिर्माण उद्योग** • विनिर्माण का महत्त्व • राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान • औद्योगिक अवस्थिति • उद्योगों का वर्गीकरण • स्थानिक वितरण • औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण • पर्यावरण निम्नीकरण की रोकथाम	• राष्ट्रीय आय में उद्योगों के महत्व की पहचान कर सकेंगे। साथ ही उन क्षेत्रीय विषमताओं को समझ सकेंगे जिनके कारण उद्योगों का विकास एक क्षेत्र तक सीमित रह जाता है। • नियोजित औद्योगिक विकास की आवश्यकता पर चर्चा कर सकेंगे। सतत पोषणीय विकास में सरकार की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
समकालीन भारत 2	**अध्याय–7** **राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ** • परिवहन – स्थल परिवहन, रेल परिवहन, पाइपलाइन, जल परिवहन, वायु परिवहन • संचार सेवाएँ • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार • पर्यटन–एक व्यापार के रूप में।	• वैश्वीकृत संसार में परिवहन और संचार के महत्व को समझ सकेंगे। • देश के आर्थिक विकास में व्यापार और पर्यटन के महत्त्प को समझ सकेंगे।

लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय – 6** **राजनीतिक दल** • राजनीतिक दलों की जरूरत क्यों? • कितने राजनीतिक दल? • राष्ट्रीय दल • क्षेत्रीय दल • राजनैतिक दलों के लिए चुनौतियाँ • दलो को कैसे सुधारा जा सकता है?	• लोकतंत्र में दलगत प्रणाली का विश्लेषण कर सकेंगे। • भारत की मुख्य राजनीतिक दलों उनके सम्मुख चुनौतियों और देश में हुए सुधारों से परिचित हो सकेंगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–7** **लोकतंत्र के परिणाम** • लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कैसे करें ? • उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन • आर्थिक सवंद्धि और विकास • असमानता और गरीबी में कमी • सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य • नागरिकों की गरिमा और आजादी।	• सरकार के अन्य रूपों से तुलनात्मक अध्ययन करते हुए लोकतंत्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर सकेंगें। • भारत में लोकतंत्र के जारी एवं सफल रहने के कारणों से परिचित हो सकेंगें। • भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियों और कमियों के स्रोतो में विभेद कर पाऐंगे।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–3** **मुद्रा और साख** • मुद्रा विनिमय का एक माध्यम • मुद्रा के आधुनिक रूप • बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियाँ • साख की दो विभिन्न स्थितियाँ • ऋण की शर्तें • भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख • निर्धनों के लिए स्वयं सहायता समूह	• मुद्रा को आर्थिक अवधारणा के रूप में समझ सकेंगे। • दैनिक जीवन में वित्तीय संस्थानों की भूमिका को समझ सकेंगे।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–4** **वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था** • अंतरदेशीय उत्पादन • विश्व – भर के उत्पादन को एक – दूसरे से जोड़ना • विदेश व्यापार और बाज़ारों का एकीकरण • वैश्वीकरण क्या है? • वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक • विश्व व्यापार सगठन • भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव • न्यायसंगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष	• वैश्विक अर्थव्यवस्था की घटनाओं से परिचित हो सकेंगे।

द्वितीय सत्र

मानचित्र कार्य

कक्षा X 2021–22

इतिहास –भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय–3 भारत में राष्ट्रवाद – 1918–1930 केवल पहचानने और चिन्हित करने के लिए

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन

1. कलकत्ता (सितम्बर 1920)

2. नागपुर (दिसम्बर 1920)

3. मद्रास (1927)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केन्द्रः असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन

1. चम्पारन : बिहार – नील किसानों का आंदोलन
2. खेड़ा ;गुजरात – किसान सत्याग्रह
3. अहमदाबाद : गुजरात – सूती वस्त्र मिल मजदूरों का सत्याग्रह
4. अमृतसर (पंजाब) – जलियाँवाला बाग हत्याकांड
5. चौरी–चौरा (उत्तर–प्रदेश) असहयोग आंदोलन को समाप्त करना।
6. डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आंदोलन

भूगोल

अध्याय–5: खनिज और ऊर्जा संसाधन

ऊर्जा केन्द्र (ढूँढना और चिन्हित करना)

1- **तापीय केन्द्र** : नामरूप, सिंगरौली, रामागुडम।
2- **आणविक केन्द्र** : नरोरा, कलपक्कम, काकरापारा, तारापुर ।

अध्याय–6: विनिर्माण उद्योग (केवला ढूँढना और चिन्हित करना)

1. **सूती वस्त्र उद्योग** : मुंबई, इंदौर,सूरत, कानपुर, कोयंबटूर,।

2. **लौह और इस्पात संयंत्रः** दुर्गापुर, बोकारो, जमशेदपुर, भिलाई, विजयनगर, सेलम।

3. **सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क** : नोएडा, गाँधीनगर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम।

अध्याय–7: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ (केवला ढूँढना और चिन्हित करना)

मुख्य पतन : कांडला, मुंबई,मार्मागाओं, न्यू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापट्नम् पाराद्वीप,हल्दिया।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन : :अमृतसर (राजा सांसी), दिल्ली (इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय), मुंबई (छत्रापति शिवाजी), चेन्नई (मीनाम्बकम), कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस), हैदराबाद (राजीव गाँधी)

परियोजना कार्य

1. प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी **एक विषय पर परियोजना कार्य** करना होगा।

उपभोक्ता आंदोलन

अथवा

सामाजिक मुद्दे

अथवा

सतत् पोषणीय विकास

2. **उद्देश्यः** परियोजना कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान की सभी शाखाओं और अंतः विषय परिप्रेक्षेय की व्यवहारवादी अंतदृष्टि की समझ विकसित करना है। यह विद्यार्थियों में जीवन कौशल के विकास में सहायक सिद्ध होगा।

   यदि आवश्यक हो तो विद्यार्थी विद्यालय से बाहर जाकर आंकडे इकट्ठे कर सकते हैं, और विभिन्न प्राथमिक और द्वितीयक आकंड़ो का संग्रहण कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो विभिन्न कला के प्रकारों को प्रोजेक्ट कार्य में सम्मिलित किया जा सकता हैं।

3. **परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न आयामों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैंः–**

क्र. संख्या	आयाम	अंक
1.	विषय की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2.	प्रस्तुतीकरण एवं रचनात्मकता	2
3.	साक्षात्कार	1

4. विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर परियोजना कार्य करें तथा उसके उपरांत् विभिन्न अंतः क्रियात्मक सत्रों (जैसे प्रदर्शनी, पैनल चर्चा आदि) के माध्यम से कक्षा के साथ साझा करें।
5. इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंधित विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाना चाहिए।
6. निम्नलिखित को प्रदर्शित करते हुए परियोजना कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिएः

- व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य
- क्रियाकलाप का कैलेंडर
- इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार
- मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्नों की सूची

7. सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो।
8. परियोजना रिर्पोट विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित होना चाहिए।
9. परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता है।

अनुशंसित पुस्तकेः

1. इतिहासः भारत व समकालीन विश्व 2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
2. भूगोलः समकालीन भारत–2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
3. राजनीति विज्ञानः लोकतान्त्रिक राजनीति–2 एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
4. अर्थशास्त्रः आर्थिक विकास की समझ एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
5. आओ मिलकर चले एक सुरक्षित भारत की ओर भाग –3 सीबीएसई द्वारा प्रकाशित
6. माध्यमिक स्तर पर अधिगम उद्देश्य – एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित

नोट– कृपया एन.सी.ई.आर.टी द्वारा मुद्रित नवीन संस्करण की पाठ्य–पुस्तकों का ही प्रयोग कीजिए।